



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक   | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|--------------------|----------|--------------|------|
| पञ्जाब रेसरी       | 23.10.26 | 4            | 7-8  |

### किसानों तक पहुंचेगी आधुनिक कृषि तकनीक: प्रो. काम्बोज

हिसार, 22 अक्टूबर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उन्नत किस्मों की मांग देशभर में निरंतर बढ़ रही है। विश्वविद्यालय की अनुसंधान उपलब्धियों को अधिक से अधिक किसानों तक



पहुंचाने और गुणवत्तापूर्ण बीजों की उपलब्धता बढ़ाने के उद्देश्य से अहमदाबाद की सीड्स कंपनी ने हकृवि के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने बताया कि हकृवि का प्रमुख उद्देश्य कृषि अनुसंधान के माध्यम से किसानों को ऐसी उन्नत किस्में और नवीनतम तकनीकें उपलब्ध करवाना है, जो कृषि उत्पादन बढ़ाने तथा खेती को और अधिक लाभकारी बनाने में सहायक हों।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ कंपनी प्रतिनिधि व अधिकारी।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक   | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|--------------------|----------|--------------|------|
| सजित समाचार        | 23.10.26 | 5            | 1-3  |

### हकृवि की उन्नत किस्मों की देशभर में बढ़ रही मांग, किसानों तक पहुंचेगी आधुनिक कृषि तकनीक : प्रो. काम्बोज

**मंगलम सीड्स लिमिटेड, अहमदाबाद ने हकृवि के साथ किया समझौता**

हिसार, 22 अक्टूबर (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उन्नत किस्मों की मांग देशभर में निरंतर बढ़ रही है। विश्वविद्यालय की अनुसंधान उपलब्धियों को अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाने और गुणवत्तापूर्ण बीजों की उपलब्धता बढ़ाने के उद्देश्य से मंगलम सीड्स लिमिटेड, अहमदाबाद (गुजरात) ने हकृवि के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने बताया कि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का प्रमुख उद्देश्य कृषि अनुसंधान के माध्यम से किसानों को ऐसी उन्नत किस्में और नवीनतम तकनीकें उपलब्ध करवाना है, जो कृषि उत्पादन बढ़ाने तथा खेती को और अधिक लाभकारी बनाने में सहायक हों। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण बीज कृषि उत्पादन की आधारशिला हैं। उन्नत किस्मों के बीजों के उपयोग से किसानों को उनकी विशेषताओं और उपयुक्त कृषि पद्धतियों के अनुरूप बेहतर उत्पादन प्राप्त करने के अवसर मिलते हैं।



कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ कंपनी के प्रतिनिधि व अधिकारी।

हस्ताक्षर : समझौते पर कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज की उपस्थिति में मंगलम सीड्स लिमिटेड, अहमदाबाद (गुजरात) की ओर से रिसर्च साइंटिस्ट डॉ. हार्दिक पटेल तथा विश्वविद्यालय की ओर से अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने हस्ताक्षर किए। विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि मंगलम सीड्स लिमिटेड के साथ हुए एमओयू में हकृवि की पांच उन्नत किस्मों को शामिल किया गया है। इनमें सरसों की आरएच 725 और आरएच 1975, मूंग की एमएच 1142, ज्वार की सीएसवी 53 वी तथा ग्वार की 2-20 किस्म शामिल हैं। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढोंगड़ा, कुलसचिव डॉ. पवन कुमार, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. नरेश कौशिक, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. रमेश गोयल, डॉ. एसके पाहुजा, डॉ. सोमबीर निंबल, डॉ. रामअवतार, डॉ. विरेन्द्र मोर, डॉ. योगेश जिंदल, डॉ. जितेन्द्र भाटिया, डॉ. पम्मी कमारी व कंपनी प्रतिनिधि उपस्थित रहे।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक   | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|--------------------|----------|--------------|------|
| सच कहूँ            | 23.10.26 | -----        | ---- |

### हकूवि की पांच उन्नत किस्मों के बीज उत्पादन को लेकर मंगलम सीड्स से एमओयू

- सरसों, मूंग, ज्वार और ग्वार की किस्मों को मिलेगा बढ़ावा
- किसानों तक पहुंचेंगे गुणवत्तापूर्ण बीज

हिसार, 22 अक्टूबर (सच कहूँ/मांगे लाल)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (हकूवि) की पांच उन्नत फसल किस्मों के बीज उत्पादन और वितरण को बढ़ावा देने के लिए अहमदाबाद की मंगलम सीड्स लिमिटेड ने विश्वविद्यालय के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इससे विश्वविद्यालय की विकसित किस्मों के बीज बड़े स्तर पर तैयार कर किसानों तक पहुंचाने में मदद मिलेगी। कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज की उपस्थिति में कंपनी की ओर से रिसर्च साइंटिस्ट डॉ. हार्दिक पटेल और विश्वविद्यालय की ओर से अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए।



हिसार। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज के साथ कंपनी प्रतिनिधि और विश्वविद्यालय के अधिकारी।

#### पांच उन्नत किस्में समझौते में शामिल

अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि समझौते में सरसों की आरएच 725 और आरएच 1975, मूंग की एमएच 1142, ज्वार की सीएसवी 53 वी तथा ग्वार की 2-20 किस्म शामिल हैं। इन किस्मों के बीज उत्पादन और वितरण से किसानों को बेहतर गुणवत्ता वाले बीज उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। सरसों तिलहन उत्पादन, मूंग फसल विविधीकरण, ज्वार चारे की उपलब्धता और ग्वार किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में उपयोगी साबित हो सकती है। कुलपति प्रो. काम्बोज ने कहा कि निजी बीज कंपनियों के साथ सहयोग से विश्वविद्यालय की अनुसंधान उपलब्धियों को किसानों तक पहुंचाने में मदद मिलेगी। गुणवत्तापूर्ण बीज कृषि उत्पादन बढ़ाने और खेती को अधिक लाभकारी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक   | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|--------------------|----------|--------------|------|
| सिटी पल्स          | 22.10.26 | -----        | ---- |

# मंगलम सीड्स ने हकृवि के साथ किया एमओयू

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। बीजों की उपलब्धता बढ़ाने के उद्देश्य से मंगलम सीड्स लिमिटेड, अहमदाबाद (गुजरात) ने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने बताया कि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का प्रमुख उद्देश्य कृषि अनुसंधान के माध्यम से किसानों को ऐसी उन्नत किस्में और नवीनतम तकनीकें उपलब्ध करवाना है, जो कृषि उत्पादन बढ़ाने तथा खेती को और अधिक लाभकारी बनाने में सहायक हों। निजी क्षेत्र की बीज कंपनियों के साथ सहयोग से



विश्वविद्यालय द्वारा विकसित किस्मों के बीजों का बड़े स्तर पर उत्पादन एवं वितरण संभव होगा। इससे अनुसंधान प्रयोगशालाओं में विकसित तकनीक को किसानों के खेतों तक पहुंचाने में मदद मिलेगी।

समझौते पर मंगलम सीड्स लिमिटेड, अहमदाबाद (गुजरात) की ओर से रिसर्च साइंटिस्ट डॉ. हार्दिक पटेल तथा विश्वविद्यालय की ओर से

अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने हस्ताक्षर किए।

इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, कुलसचिव डॉ. पवन कुमार, डॉ. नरेश कौशिक, डॉ. रमेश गोयल, डॉ. एसके पाहुजा, डॉ. सोमबीर निंबल, डॉ. रामअवतार, डॉ. विरेन्द्र मोर, डॉ. योगेश जिंदल, डॉ. जितेन्द्र भाटिया, डॉ. पम्मी कुमारी व कंपनी प्रतिनिधि उपस्थित रहे।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक   | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|--------------------|----------|--------------|------|
| समस्त हरियाणा      | 22.10.26 | -----        | ---- |

# हकृवि की उन्नत किस्मों की देशभर में बढ़ रही है मांग, किसानों तक पहुंचेगी आधुनिक कृषि तकनीक : प्रो बलदेव राज काम्बोज

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उन्नत किस्मों की मांग देशभर में निरंतर बढ़ रही है। विश्वविद्यालय की अनुसंधान उपलब्धियों को अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाने और गुणवत्तापूर्ण बीजों की उपलब्धता बढ़ाने के उद्देश्य से मंगलम सीड्स लिमिटेड, अहमदाबाद (गुजरात) ने हकृवि के साथ समझौता जपान पर हस्ताक्षर किए हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने बताया कि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का प्रमुख उद्देश्य कृषि अनुसंधान के माध्यम से किसानों को ऐसी उन्नत किस्में और नवीनतम तकनीकें उपलब्ध करवाना है, जो कृषि उत्पादन बढ़ाने तथा खेती को और अधिक लाभकारी बनाने में सहायक हों। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण बीज कृषि उत्पादन की आधारशिला हैं। उन्नत किस्मों के बीजों के उपयोग से किसानों को उनकी विशेषताओं और उपयुक्त कृषि पद्धतियों के अनुरूप बेहतर उत्पादन प्राप्त करने के अवसर मिलते हैं। निजी क्षेत्र की बीज कंपनियों के साथ सहयोग से विश्वविद्यालय द्वारा विकसित किस्मों के बीजों का बड़े स्तर पर उत्पादन एवं वितरण संभव होगा। इससे अनुसंधान प्रयोगशालाओं में विकसित तकनीक को किसानों के खेतों तक पहुंचाने में मदद



मिलेगी।

**कुलपति की उपस्थिति में इन अधिकारियों ने किए हस्ताक्षर**

समझौते पर कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज की उपस्थिति में मंगलम सीड्स लिमिटेड, अहमदाबाद (गुजरात) की ओर से रिसर्च साइंटिस्ट डॉ. हार्दिक पटेल तथा विश्वविद्यालय की ओर से अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने हस्ताक्षर किए।

**सर्सी, मूंग, ज्वार और ग्वार की उन्नत किस्मों को मिलेगा बढ़ावा : डॉ. राजबीर गर्ग**

विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि मंगलम सीड्स लिमिटेड के साथ हुए एमओयू में हकृवि की पांच उन्नत किस्मों को शामिल किया गया है। इनमें सर्सी को आरएच 725 और आरएच 1975, मूंग की एमएच 1142, ज्वार की सीएसबी 53 बी तथा

ग्वार की 2-20 किस्म शामिल हैं। उन्होंने बताया कि सर्सी की उन्नत किस्म किसानों को तिलहन उत्पादन के लिए बेहतर विकल्प उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण हैं। मूंग जैसी दलहनी फसल में महत्वपूर्ण और फसल चक्र में उपयोगी भूमिका निभाती है। ज्वार की किस्म चारे का बेहतर विकल्प प्रदान करेगी, जबकि ग्वार की उन्नत किस्म से किसानों के उत्पादन में बढ़ोतरी होगी जिससे किसान

अपनी आय में इजाजा कर सकेंगे। इस अवसर पर ओएसबी डॉ. अदुल हसन, कुलसचिव डॉ. पवन कुमार, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. नरेश कौशिक, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. रमेश गोयल, डॉ. एसके पाहुजा, डॉ. सोमबीर निंबल, डॉ. रामअबतार, डॉ. विरेन्द्र मोर, डॉ. योगेश जिंदल, डॉ. जितेन्द्र भाटिया, डॉ. गम्भी कृष्णा व अपनी प्रतिनिधि उपस्थित रहे।